जनपद गौतम बुद्ध नगर सहयोगात्मक पर्यवेक्षण रिपोर्ट
8 से 10 फरवरी 2018

डॉ0 आनन्द अग्रवाल, उपमहाप्रबंधक, आर०के०एस०के० की अध्यक्षता में डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा सलाहकार, परिवार नियोजन एवं श्री विपिन श्रीवास्तव कार्यक्रम सहायक निर्माण अनुभाग की सयुंक्त टीम द्वारा दिनांक 08 फरवरी से 10 फरवरी 2018 तक जनपद गौतम बुद्ध नगर में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान विभिन्न स्तर की चिकित्सा इकाईयों का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान जनपदीय कार्यक्रम प्रबंधक, DEIC मैनेजर, क्वालिटी मैनेजर, अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर द्वारा सहयोग किया गया। नोडल आर0के0एस0के0, नोडल आर0बी0एस0के0, ACMO एन0एच0एम0, नोडल एन0यू0एच0एम0 एवं मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा इस दौरे की उपेक्षा की गयी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा किसी भी नोडल ऑफिसर अथवा ACMO द्वारा भी भ्रमण के दौरान सहयोग नहीं किया गया। अनुश्रवण के बिन्दुओं पर विस्तृत रिपोर्ट निम्नवत है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल	दिनांक : 08/02/2018
अवलोकन बिन्दु	**अनुपालन/कार्यवाही की समय सीमा**
प्रभारी चिकित्साधिकारी निश्चेतक होने के कारण केंद्र पर कम ही रहते हैं। भ्रमण के दिवस भी वे दादरी ब्लाक गए हुए थे। उनकी अनुपस्थिति में केंद्र का कार्य देखने के लिए किसी सक्षम अधिकारी को नामित नहीं किया गया है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कार्यक्रम नोडल अधिकारी, केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी, स्टाफ नर्स एवं फार्मासिस्ट की जिम्मेदारी निर्धारित कर दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त अनुशानात्मक कार्यवाही करें।
आयुष चिकित्सकों द्वारा आयुष औषधियों के उपलब्ध होने के बावजूद एलोपैथिक उपचार दिया जा रहा था।	
HRP का कोई प्रमाणित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था। चिकित्साधिकारियों द्वारा इस विषय में कोई रूचि नहीं ली जा रही थी।	
मौके पर भर्ती मरीज द्वारा पता चला कि रात में कोई भी प्रशिक्षित स्टाफ नर्स ड्यूटी पर नहीं थी। रात ढाई बजे उसके प्रसव के बाद सुबह 11 बजे तक उसने अपने शिशु को स्तनपान नहीं करवाया था। किसी ने भी उसे इस बारे में सलाह नहीं दी थी।	
एक अन्य गर्भवती महिला द्वारा बताया गया कि रात 11 बजे से भर्ती होने के बावजूद उसे सुबह 11 बजे तक किसी ने देखा नहीं था। न ही उसे कोई उपचार उपलब्ध कराया गया था। मांगने पर उसका BHT भी उपलब्ध नहीं हुआ। रात में उसे चादर भी उपलब्ध नहीं कराई गई। उसे सुबह का नाश्ता भी नहीं दिया गया था।	
लेबर रूम के कोई भी रजिस्टर निर्धारित प्रारूप के अनुसार नहीं थे।	
भर्ती मरीजों का कोई भी प्रमाणिक रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया जा सका।	
रेफेरल आउट एवं रेफेरल इन के रजिस्टर नहीं भरे जा रहे थे।	
कई स्टाफ नर्स के एक साथ अवकाश पर जाने के कारण किसी भी स्टाफ अथवा चिकित्साधिकारी द्वारा भ्रमण के दौरान सहयोग नहीं किया गया।	
JSSK के लाभार्थियों को दिया जाने वाला खाना NRC के किचन में बनाया जा रहा है जिसके लिए सामान खरीदने की कोई पारदर्शी व्यवस्था नहीं है।	
NRC में भर्ती किये जा रहे मरीजों की संख्या अपेक्षा से बहुत कम है।	
लैब में हब कटर एवं दस्तानों का प्रयोग नहीं किया जा रहा है।	

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल	दिनांक : 08.02.2018
अवलोकन बिन्दु	**अनुपालन/कार्यवाही की समय सीमा**
केंद्र पर कार्यरत स्टाफ नर्स को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल से सम्बद्ध कर दिया गया है, जिससे केंद्र का कार्य प्रभावित हो रहा है।	मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि CHC भंगेल में स्टाफ के अवकाश पर जाने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था कुछ दिनों के लिए है।
HRP का कोई अतिरिक्त रिकॉर्ड मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को रिकॉर्ड रखने के दिशा निर्देश विस्तार से समझाकर भविष्य में अपडेट रखने हेतु निर्देशित किया गया।

जिला संयुक्त चिकित्सालय	दिनांक : 09.02.2018
अवलोकन बिन्दु	**अनुपालन/कार्यवाही की समय सीमा**
प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के सन्दर्भ में अस्पताल में कोई भी गतिविधि नहीं की जा रही है। किसी भी प्रकार का कोई IEC अथवा जानकारी किसी को भी नहीं दिखाई दी।	सभी तथ्यों एवं कार्यक्रम से सम्बंधित दिशा निर्देश हॉस्पिटल मैनेजर को दिए गए एवं अगले माह की 9 तारिख को सभी गतिविधियाँ दिशा निर्देशानुसार संचालित कर फोटो एवं रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए।
HRP का कोई भी प्रमाणिक रिकॉर्ड अस्पताल में उपलब्ध नहीं था।	
3 माह के गर्भ धारण से पूर्व किसी भी गर्भवती महिला की कोई भी प्रसव पूर्व जांच नहीं की जा रही है। न ही उसका कोई रिकॉर्ड ANC रजिस्टर में रखा जाता है।	
किसी भी HRP को ट्रैक किये जाने सम्बंधित कोई भी दिशा निर्देश किसी को पता नहीं थे।	
ANC लेबर एवं HRP रजिस्टर का कोई भी निर्धारित प्रारूप उपलब्ध नहीं था।	जनपद कार्यक्रम प्रबंधक को शीघ्र सभी रजिस्टर की आवश्यक संख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।
लेबर रूम में partograph नहीं बनाया जा रहा है।	क्वालिटी मेंटर दीपशिखा के सम्बन्ध में बताया गया कि वे कभी भी अस्पताल में नहीं आती हैं। उनका कार्य काफी असंतोषजनक होने के कारण लेबर रूम के स्टाफ का प्रशिक्षण भी अपेक्षित नहीं हो सका है।
जननी सुरक्षा योजना का भुगतान 40 प्रतिशत से भी अधिक लाभार्थियों का लंबित है।	हॉस्पिटल मेनेजर द्वारा आश्वासन दिया गया कि शीघ्र ही बैंक के अधिकारीयों से वार्ता कर उनके प्रतिनिधि को अस्पताल परिसर में जगह दी जाने की व्यवस्था की जायेगी ताकि आने वाली सभी लाभार्थियों के बैंक खाते अविलम्ब खुलवाये जा सकें।

जिला सयुंक्त चिकित्सालय – किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक	दिनांक : 09.02.18
अवलोकन बिन्दु	**अनुपालन/कार्यवाही की समय सीमा**
किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक हेतु बोर्ड अभी तक नहीं लगाया गया है	जनपद कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि CMS महोदय द्वारा काउंसलर को किशोर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मना कर दिया गया है। इस विषय में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा CMS से वार्ता किये जाने का अनुरोध किया गया।
किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक हेतु रजिस्टर प्रिंट करा कर अभी तक उपलब्ध नहीं कराये गए है।	
किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक पर काउंसलर की बैठने हेतु समुचित व्यवस्था अभी तक नहीं बन पाई है।	
किशोर स्वस्थ्य क्लीनिक के उपकरणों की धनराशि सरेंडर की जा चुकी है अतः कोई भी निर्धारित उपकरण क्लीनिक पर उपलब्ध नहीं हैं।	

एडिशनल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरौला,	दिनांक : 10.02.2018
अवलोकन बिन्दु	**अनुपालन/कार्यवाही की समय सीमा**
केंद्र पर RI के लाभार्थियों की duelist निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध नहीं थी ।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को एक सप्ताह में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर रिपोर्ट भेजने हेतु निर्देशित किया गया।
हाई रिस्क प्रेगनेंसी का चिन्हीकरण नहीं किया जा रहा था।	
LHV को NDD एवं विफ्स कार्यक्रम के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।	
NDD से सम्बंधित कोई भी गतिविधि केंद्र पर संचालित नहीं की जा रही थी।	
ब्लड प्रेशर नापने की मशीन खराब पाई गई फिर भी मरीजों का ब्लड प्रेशर उनके पर्चों पर अंकित किया गया था।	
हब कटर निष्क्रिय थे।	
ठडॅ के लिए किसी को कोई जानकारी नहीं थी।	

आंगनवाड़ी केंद्र, बरौला (प्रथम एवं द्वितीय) एवं भंगेल प्रथम एवं द्वितीय	दिनांक : 10.02.18
अवलोकन बिन्दु	**अनुपालन/कार्यवाही की समय सीमा**
आंगनवाड़ी कार्यकर्ती के पास किशोरियों की दी जाने वाली आयरन की नीली गोलियां उपलब्ध नहीं थी। न ही विफ्स कार्यक्रम के बारे में कोई जानकारी दी गई थी। विफ्स रजिस्टर केन्द्रों पर हाल ही के दिनों में उपलब्ध कराये गए थे जबकि रिपोर्टिंग फॉर्मेट कभी भी उपलब्ध नहीं कराये गए थे।	नोडल को एक सप्ताह का समय दिया गया कि सभी केन्द्रों पर IFA विफ्स रजिस्टर और रिपोर्टिंग फोर्मट्स पूरी मात्रा में उपलब्ध करा दिए जाए।
NDD कार्यक्रम का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा था। उपस्थित लाभार्थियों की संख्या अपेक्षा से बहुत कम थी। विद्यालय न जाने वाली किशोरियों की सूची आशा द्वारा बनाई गई थी किन्तु कोई भी किशोरी को बुलाया नहीं गया था।	आशा को लाभार्थियों को बुलाने के निर्देश दिए जाने पर लाभार्थियों को बुलवाकर अपने सामने दवाई खिलवाई गई।

पूर्व माध्यमिक वि ालय , बरौला, ब्लाक बिसरख	दिनांक : 10.02.2018
अवलोकन बिन्दु	**अनुपालन/कार्यवाही की समय सीमा**
विद्यालय के पास छात्रों को दी जाने वाली आयरन की नीली गोलियां उपलब्ध नहीं थी उसके स्थान पर पिंक गोलियां ही उपलब्ध कराई गई थी। अध्यापकों को विफ्स कार्यक्रम के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। केवल एक ही विफ्स रजिस्टर केन्द्र पर उपलब्ध कराया गया था। जबकि रिपोर्टिंग फॉर्मेट कभी भी उपलब्ध नहीं कराये गए थे। विद्यालय द्वारा कभी भी विफ्स की रिपोर्ट नहीं भेजी गई थी। प्रधानाध्यापिका द्वारा बताया गया कि RBSK टीम द्वारा माह अगस्त में भ्रमण के दौरान एक सप्ताह के लिए गोलिया दी गई थी। जिसे सभी को खिला दिया गया था।	नोडल को एक सप्ताह का समय दिया गया कि सभी केन्द्रों पर IFA विफ्स रजिस्टर और रिपोर्टिंग फोर्मट्स पूरी मात्रा में उपलब्ध करा दिए जाए।
विद्यालय में NDD कार्यक्रम में प्रशिक्षित स्टाफ बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाया गया। जबकि प्रधानाध्यापिका को कार्यक्रम के बारे में सूचनाएं स्पष्ट नहीं थी। IEC भी पिछले चरण का ही प्रयोग किया जा रहा था।	नोडल अधिकारी को RBSK टीम का फीडबैक दिया गया एवं अपेक्षित कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया।
RBSK टीम द्वारा पोषण एवं एनीमिया के बारे में कोई जानकारी लाभार्थियों अथवा अध्यापकों को नहीं दी गई।	

प्राइमरी विद्यालय, बरौला, ब्लाक बिसरख	दिनांक :10.02.2018
अवलोकन बिन्दु	**अनुपालन/कार्यवाही की समय सीमा**
विद्यालय के पास छात्रों को दी जाने वाली आयरन की पिंक गोलियां उपलब्ध थी। पर विफ्स कार्यक्रम के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। विफ्स रजिस्टर केन्द्र पर उपलब्ध कराये गए थे किन्तु दिशा निर्देशों के अनुसार पर्याप्त संख्या में नहीं थे। जबकि रिपोर्टिंग फॉर्मेट कभी भी उपलब्ध नहीं कराये गए थे। विद्यालय द्वारा कभी भी विफ्स की रिपोर्ट नहीं भेजी गई थी। स्कूल में 423 छात्र पंजीकृत होने के बावजूद BRC से सिर्फ 7000 गोलियां ही माह सितम्बर 2017 में उपलब्ध कराई गई थी।	नोडल को एक सप्ताह का समय दिया गया कि सभी केन्द्रों पर IFA विफ्स रजिस्टर और रिपोर्टिंग फोर्मट्स पूरी मात्रा में उपलब्ध करा दिए जाए।
अध्यापकों एवं स्टाफ के लिए IFA ब्लू उपलब्ध नहीं कराई गई थी।	नोडल अधिकारी को RBSK टीम का फीडबैक दिया गया एवं अपेक्षित कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया।

प्राइमरी विद्यालय , भंगेल, ब्लाक बिसरख	दिनांक : 10.02.18
अवलोकन बिन्दु	**अनुपालन/कार्यवाही की समय सीमा**
विद्यालय के पास छात्रों को दी जाने वाली आयरन की पिंक गोलियां उपलब्ध थी। विफ्स रजिस्टर केन्द्र पर एक माह पूर्व ही पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराये गए थे जबकि रिपोर्टिंग फॉर्मेट कभी भी उपलब्ध नहीं कराये गए थे। विद्यालय द्वारा कभी भी विफ्स की रिपोर्ट नहीं भेजी गई थी। स्कूल में 363 छात्र पंजीकृत होने के बावजूद BRC से सिर्फ 4950 गोलियां ही माह नवम्बर 2017 में उपलब्ध कराई गई थी जिसमें से मात्र 350 गोलियां ही केंद्र पर अवशेष थी।	नोडल को एक सप्ताह का समय दिया गया कि सभी केन्द्रों पर IFA विफ्स रजिस्टर और रिपोर्टिंग फोर्मट्स पूरी मात्रा में उपलब्ध करा दिए जाए।
अध्यापकों एवं स्टाफ के लिए IFA ब्लू उपलब्ध नहीं कराई गई थी।	नोडल अधिकारी को RBSK टीम का फीडबैक दिया गया एवं अपेक्षित कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया।

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के कुछ छायाचित्र

अन्य बिंदु	
अवलोकन बिंदु	कृते अनुपालन/कार्यवाही
ब्लाक बिसरख में कार्यरत RBSK टीम के विषय में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ० चन्दन सोनी द्वारा अवगत कराया गया कि डॉ० मधुलिका लगभग गत एक वर्ष से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित चल रही हैं इस विषय में नोडल एवं मुख्य चिकित्साधिकारी को भी अवगत कराया जा चुका है।	महाप्रबंधक आर०बी०एस०के०
टीम के एक अन्य सदस्य डॉ० आशीष के बारे में बताया गया कि उनका व्यवहार एवं कार्य अत्यंत असंतोषजनक है एवं उनको पूर्व में कई बार चेतावनी भी जारी की गई है। इसके बावजूद वे कार्य में सहयोग नहीं कर रहे हैं। DEIC मेनेजर द्वारा भी उपरोक्त दोनों तथ्यों की पुष्टि की गई। RBSK नोडल डॉ० दोहरे DEIC मेनेजर द्वारा दी गई रिपोर्ट पर अपेक्षित कार्यवाही नहीं कर रहे हैं।	
क्वालिटी मेंटर सुश्री दीपशिखा चहल के विषय में मुख्य चिकित्साधिकारी, जनपद कार्यक्रम प्रबंधक, हॉस्पिटल मेनेजर एवं क्वालिटी कंसलटेंट द्वारा बताया गया कि वे भी अपना कार्य अपेक्षा के अनुरूप नहीं कर रही हैं एवं सहयोग नहीं करने के कारण कार्य बाधित हो रहा है।	महाप्रबंधक क्यू० ए०
जनपद चिकित्सालय में ANC के दौरान ANM द्वारा IFA के नीली गोली का वितरण किया जा रहा है। जिसके बारे में कोई भी संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हो सका।	महाप्रबंधक आर०के०एस०के०
गत एक वर्ष में पूर्व में 3 बार भ्रमण किये जाने के बावजूद अभी तक विफ्स रजिस्टर, रिपोर्टिंग फॉर्मेट एवं IFA की गोलियों का वितरण सही एवं पर्याप्त नहीं किया गया है। न ही शिक्षा तथा ICDS विभाग से समन्वय स्थापित करके रिपोर्ट प्राप्त की जा रही है। RKSK कार्यक्रम का नोडल चार्ज भी किसी अन्य अधिकारी को दे दिया गया है जिनसे भेंट भी संभव नहीं हो सकी।	

विपिन श्रीवास्तव
कार्यक्रम सहायक, निर्माण

डॉ० धीरेन्द्र वर्मा
सलाहकार, परिवार नियोजन

डॉ० आनन्द कुमार अग्रवाल
उपमहाप्रबंधक, आर०के०एस०के०